बुन्देली भाषा में

बनो लुटेरौ सन्त

एकांकी नाटक (चम्पू)

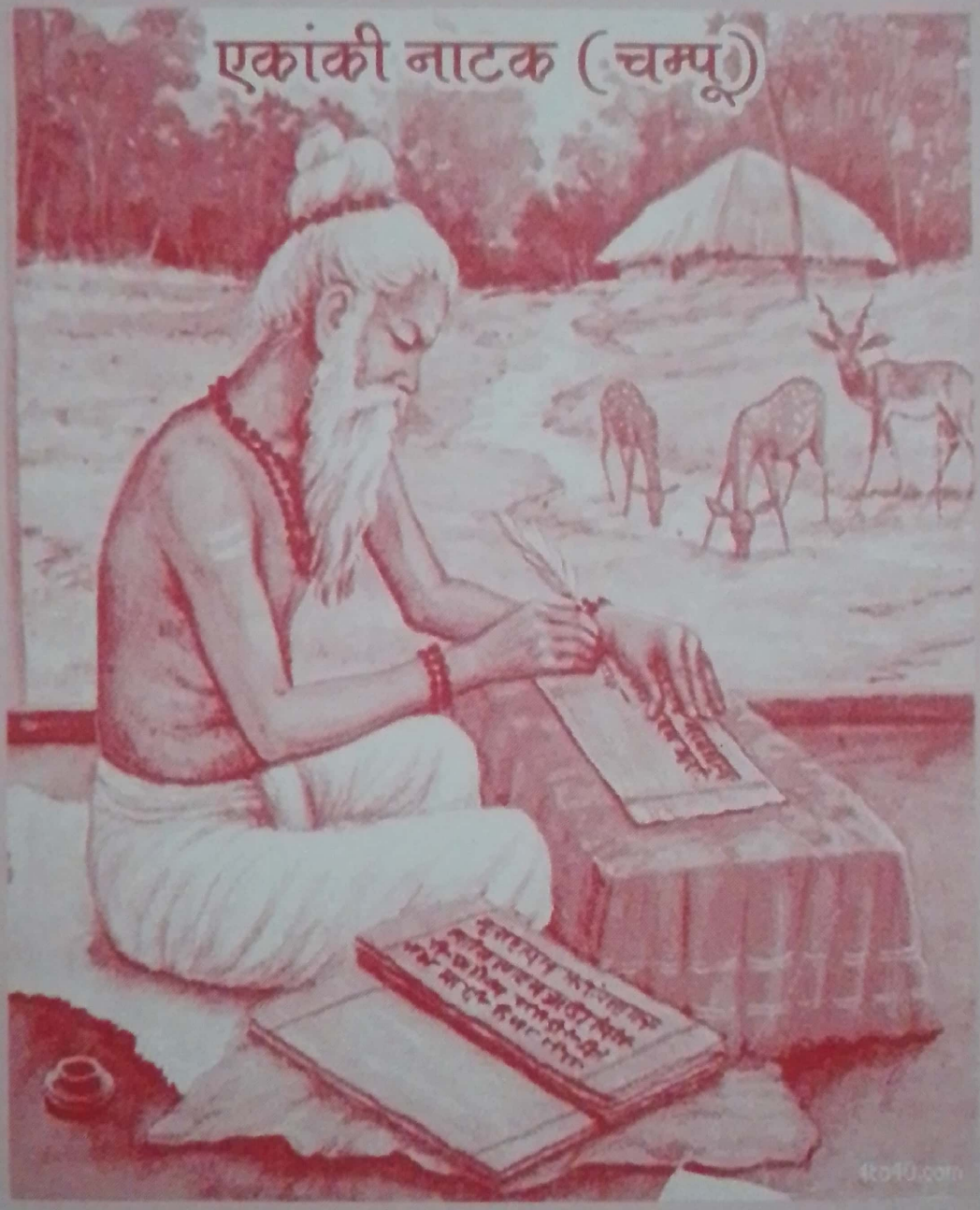

रचयिता

श्याम बहादुर श्रीवास्तव 'श्याम'

Scanned with OKEN Scanner

पुस्तक	:	**बनो लुटेरौ सन्त**
		(बुन्देली भाषा में)
		एकांकी नाटक (चम्पू)
रचयिता	:	श्याम बहादुर श्रीवास्तव 'श्याम'
संस्करण	:	प्रथम, अप्रैल, सन् 2013 ई.
		(चैत्र की नौ दुर्गा, सं0 2070 वि.)
सर्वाधिकार	:	रचनाकाराधीन
प्रकाशन तत्वावधान	:	बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति सेवा संस्थान,
		उरई (जालौन) उ.प्र.
आवरण सज्जा व मुद्रक	:	नाइस ग्राफिक्स, उरई
प्रतियाँ	:	500
मूल्य	:	₹ 100

BANO LUTERAO SANT

(BUNDELI BHASHA : EKANKI NATAK)

BY

SHYAM BAHADUR SHRIVASTAVA

Scanned with OKEN Scanner

बनो लुटेरौ सन्त : एकांकी नाटक (चम्पू)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पेज
1.	सत्संगति की सुवास : बनो लुटैरौ संत – डॉ. रामस्वरूप खरे	5
2.	प्राक्कथनात्मक अपनी बात – श्याम बहादुर श्रीवास्तव	9
3.	पात्र परिचय	12
4.	ईसुर बन्दना (कोरस)	13
5.	देव आबाहन	14
6.	मंच संचालक के मौं सें : प्राक्कथन	15
7.	पैली झाँकी	16
8.	दूसरी झाँकी	29
9.	तीसरी झाँकी	39
10.	चौथी झाँकी	45
11.	पाँचइँ झाँकी	53
12.	छटइँ झाँकी	60

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशित कृतियाँ

खड़ी बोली में :-

1. संत परशुराम (महाकाव्य)
2. संत परशुराम श्री विग्रह शतक
3. राष्ट्रानुरागी गीत
4. गीत गोदावरी (कीर्तन संग्रह)
5. बोध रश्मियाँ सह बाल बोध कविताएँ
6. प्यासे मुक्तक
7. अपनी बात आपसे (विनय पदावली)
8. अन्यान्य काव्य संकलनों, पत्रिकाओं में काव्य रचनायें प्रकाशित
9. कहानी-जल समाधि

बुन्देली में -

1. आओ गाँव चलें (गीत संग्रह)
2. मन मसोस रै जात (कविता, मुक्तक, दोहा, हाइकु आदि संग्रह)
3. नाटक (चम्पू)- बनो लुटेरौ संत

Scanned with OKEN Scanner